प्रेस प्रकाशनी **PRESS RELEASE**

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, एस.बी.एस.मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001
Department of Communication, Central Office, S.B.S.Marg, Fort, Mumbai-400001
फोन/Phone: 022- 22660502

15 नवंबर 2021

आरबीआई बुलेटिन - नवंबर 2021

भारतीय रिज़र्व बैंक ने आज अपने मासिक बुलेटिन का नवंबर 2021 का अंक जारी किया। बुलेटिन में पांच भाषण, चार लेख और वर्तमान सांख्यिकी शामिल हैं।

चार आलेख हैं: I. अर्थव्यवस्था की स्थिति; II. क्या भारत में फिलिप्स कर्व मृत, सुसुप्त और धीरे-धीरे जीवित हो रहा है अथवा जीवंत और सकुशल है?; III. व्यावसायिक समष्टि आर्थिक पूर्वानुमानकर्ताओं के बीच अनिश्चितता और असहमति; और IV. भारतीय मुद्रा बाजार में बदलती परिस्थितियाँ।

I. अर्थव्यवस्था की स्थिति

वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण कई मोर्चों से विपरीत परिस्थितियों के साथ अनिश्चितता में डूबा हुआ है। भारत में, बहाली की स्थिति में मजबूती आई है यद्यपि, अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार की गति असमान बनी हुई है। कुल मांग के संकेतक पहले की तुलना में एक उज्जवल निकट-अवधि का दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। आपूर्ति पक्ष में, *खरीफ* फसल की रिकॉर्ड कटाई के परिदृश्य में *रबी* का मौसम सकारात्मक नोट पर जल्दी ही शुरू हुआ है और विनिर्माण समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार दिखा रहा है, जबकि सेवाएं मजबूत विस्तार मोड में हैं। समग्र रूप से मौद्रिक और ऋण स्थितियां एक टिकाऊ आर्थिक सुधार को स्थापित करने के लिए अनुकूल हैं।

II. क्या भारत में फिलिप्स कर्व मृत, सुसुप्त और धीरे-धीरे जीवित हो रहा है अथवा जीवंत और सकुशल है?

वैश्विक वित्तीय संकट के बाद की अवधि में सबसे अधिक उद्धृत समष्टि आर्थिक संबंध-फिलिप्स कर्व के "स्वास्थ्य" पर साहित्य की अधिकता देखी गई है। इस बहुचर्चित वैश्विक बहस में और अधिक सार तत्व को जोड़ते हुए, इस लेख में भारत में फिलिप्स कर्व के अस्तित्व की समय-भिन्नता और उत्तलता की जांच करके परीक्षण किया गया है। इस पत्र के निष्कर्ष में भारत में उत्तल फिलिप्स कर्व संबंध के अस्तित्व की पुष्टि की गई है, यद्यपि यह जीवित है, लेकिन धीरे-धीरे जीवंत हो रहा है और छह साल से अधिक समय तक चलने वाली शिथिलता से उबर रहा है।

III. व्यावसायिक समष्टि आर्थिक पूर्वानुमानकर्ताओं के बीच अनिश्चितता और असहमति

यह लेख प्रमुख समष्टि आर्थिक चर पर रिज़र्व बैंक के पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं (एसपीएफ़) के द्विमासिक सर्वेक्षण में प्राप्त प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करता है। विशेष रूप से वर्ष 2020-21 के लिए उत्पादन वृद्धि और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान, कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उच्च अनिश्चितता की विशेषता को परिलक्षित करते हैं। इस लेख में महामारी के दौरान अल्पकालिक पूर्वानुमानों में उतार-चढ़ाव पर चर्चा की गई है।

प्रमुख बिंदु

- महामारी ने वैश्विक और साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा किया, जिससे अनिश्चितता पैदा हुई, जैसा कि 2020-21 के लिए वृद्धि और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमानों में बड़े उतार-चढ़ाव में परिलक्षित होता है।

- महामारी प्रेरित लॉकडाउन 2020-21 के लिए वृद्धि के पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण गिरावट का कारण बना और बाद में अर्थव्यवस्था के क्रमिक रूप से फिर से शुरू होने से वृद्धि के दृष्टिकोण में सुधार हुआ।

- महामारी की शुरुआत में पूर्वानुमानकर्ताओं के बीच असहमति अधिक थी और धीरे-धीरे इसमें कमी आयी। पूर्वानुमानों की अनिश्चितता ने असहमति के समान ही प्रदर्शन किया और कम सीमा के पूर्वानुमान के साथ गिरावट दर्ज की।

- विश्लेषण अनिश्चितता और असहमति के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध को दर्शाता है; हालाँकि, असहमति अनिश्चितता के लिए एक अच्छी प्रतिनिधि नहीं हो सकती है।

IV. भारतीय मुद्रा बाज़ार में बदलाव की लहर

मुद्रा बाज़ार वित्तीय संस्थाओं के एक विस्तृत वर्ग को अल्पकालिक पूंजी प्रदान करता है और मौद्रिक नीति के संचरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह आलेख जनवरी-2016 से मार्च-2021 तक की अवधि के लिए मात्रा, दर, सूक्ष्म संरचना और दरों के विस्तार के संदर्भ में भारतीय मुद्रा बाज़ार के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की समीक्षा करता है।

प्रमुख बिंदु

- मात्रा-भारित दरों के संदर्भ में रातोंरात मुद्रा बाज़ारमें अस्थिरता, कोविड-19 महामारी की घोषणा के बाद बढ़ गई और मार्च-2020 में चरम पर पहुंच गई। बाद में अस्थिरता में गिरावट आई। कोविड-19 महामारी की घोषणा के बाद असुरक्षित क्षेत्र से सुरक्षित क्षेत्रों की ओर एक बदलाव भी देखा गया।

- इंट्राडे बाज़ार गतिविधि और कॉल मनी वाले भाग की नेटवर्क संरचना का अध्ययन महामारी की शुरुआत के बाद बढ़े हुए पोर्टफोलियो विविधीकरण का सुझाव देता है।

- कन्सट्रक्टेड डिस्पर्शन इंडेक्स (मुद्रा बाज़ार के छह भागों को कवर करता है), जो प्रभाव अंतरण दक्षता के एक अनुभवजन्य मानदंड के रूप में कार्य करता है, जनवरी-2020 से फरवरी-2020 की अवधि के लिए कुशल प्रभाव अंतरण के साथ एक घर्षण रहित बाज़ार का सुझाव देता है।

  डिस्पर्शन इंडेक्स जो मार्च-2020 में चरम पर था, उसमें नमूना अवधि के अंत में एक घटती प्रवृत्ति दिखाई दी। हाल के दिनों में रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए क्षेत्र-विशिष्ट, संस्था-विशिष्ट और लिखत-विशिष्ट चलनिधि उपायों के परिणामस्वरूप मुद्रा बाज़ार का स्थिरीकरण हुआ है और बाज़ार सामान्यीकरण के नए नियम के अनुकूल हो गया है।

अजीत प्रसाद
निदेशक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2021-2022/1197